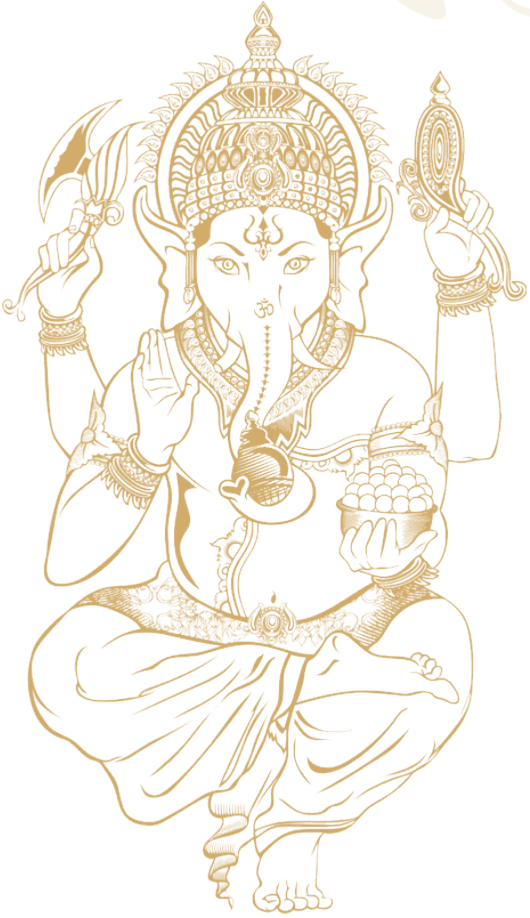

Deepshikha more

14 May 2004

05:05 PM

Indore

Model: web-freekundliweb

Order No: 120179707

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14/05/2004**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:05:00 घंटे**
इष्ट	28:15:56 घटी
स्थान	**Indore**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:42:00 उत्तर
रेखांश	75:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:38:36 घंटे
वेलान्तर	00:03:40 घंटे
साम्पातिक काल	08:08:48 घंटे
सूर्योदय	05:46:37 घंटे
सूर्यास्त	18:59:11 घंटे
दिनमान	13:12:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	00:05:12 वृष
लग्न के अंश	05:33:36 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	विष्कुम्भ
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	थ-थाकोरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	05:33:36	325:40:52	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			वृष	00:05:12	00:57:53	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	06:54:10	12:41:32	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
मंगल			मिथु	10:35:42	00:38:00	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
बुध			मेष	04:17:31	00:56:48	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	सम राशि
गुरु			सिंह	15:07:56	00:01:41	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	01:59:42	00:07:51	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	मित्र राशि
शनि			मिथु	16:14:07	00:06:11	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
राहु			मेष	17:19:19	00:01:18	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			तुला	17:19:19	00:01:18	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			कुंभ	12:34:58	00:01:18	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप			मक	21:28:35	00:00:06	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	27:41:48	00:01:21	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	06:06:04	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:53

लग्न-चलित

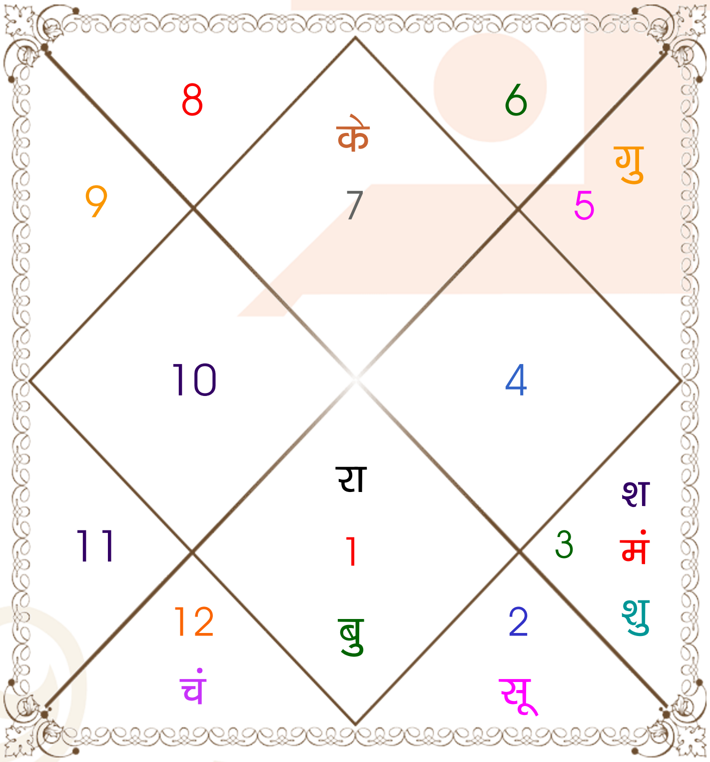

चन्द्र कुंडली

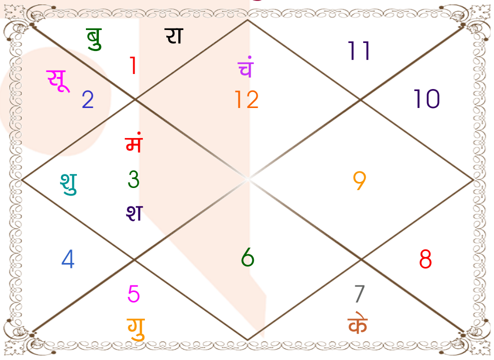

नवमांश कुंडली

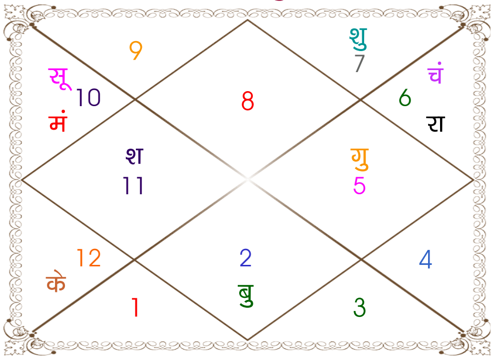

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 13 वर्ष 10 मास 29 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
14/05/2004	**13/04/2018**	**13/04/2035**	**13/04/2042**	**13/04/2062**
13/04/2018	**13/04/2035**	**13/04/2042**	**13/04/2062**	**13/04/2068**
14/05/2004	बुध 09/09/2020	केतु 09/09/2035	शुक्र 13/08/2045	सूर्य 01/08/2062
बुध 24/12/2004	केतु 06/09/2021	शुक्र 09/11/2036	सूर्य 13/08/2046	चंद्र 30/01/2063
केतु 02/02/2006	शुक्र 07/07/2024	सूर्य 16/03/2037	चंद्र 13/04/2048	मंगल 07/06/2063
शुक्र 04/04/2009	सूर्य 13/05/2025	चंद्र 16/10/2037	मंगल 13/06/2049	राहु 01/05/2064
सूर्य 17/03/2010	चंद्र 13/10/2026	मंगल 14/03/2038	राहु 12/06/2052	गुरु 17/02/2065
चंद्र 16/10/2011	मंगल 10/10/2027	राहु 01/04/2039	गुरु 11/02/2055	शनि 30/01/2066
मंगल 24/11/2012	राहु 28/04/2030	गुरु 07/03/2040	शनि 13/04/2058	बुध 07/12/2066
राहु 01/10/2015	गुरु 03/08/2032	शनि 16/04/2041	बुध 11/02/2061	केतु 13/04/2067
गुरु 13/04/2018	शनि 13/04/2035	बुध 13/04/2042	केतु 13/04/2062	शुक्र 13/04/2068

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
13/04/2068	**13/04/2078**	**13/04/2085**	**14/04/2103**	**14/04/2119**
13/04/2078	**13/04/2085**	**14/04/2103**	**14/04/2119**	**00/00/0000**
चंद्र 11/02/2069	मंगल 09/09/2078	राहु 25/12/2087	गुरु 02/06/2105	शनि 17/04/2122
मंगल 12/09/2069	राहु 28/09/2079	गुरु 20/05/2090	शनि 14/12/2107	बुध 15/05/2124
राहु 14/03/2071	गुरु 03/09/2080	शनि 26/03/2093	बुध 21/03/2110	00/00/0000
गुरु 13/07/2072	शनि 12/10/2081	बुध 13/10/2095	केतु 25/02/2111	00/00/0000
शनि 11/02/2074	बुध 10/10/2082	केतु 30/10/2096	शुक्र 26/10/2113	00/00/0000
बुध 14/07/2075	केतु 08/03/2083	शुक्र 31/10/2099	सूर्य 14/08/2114	00/00/0000
केतु 12/02/2076	शुक्र 07/05/2084	सूर्य 25/09/2100	चंद्र 14/12/2115	00/00/0000
शुक्र 12/10/2077	सूर्य 12/09/2084	चंद्र 27/03/2102	मंगल 19/11/2116	00/00/0000
सूर्य 13/04/2078	चंद्र 13/04/2085	मंगल 14/04/2103	राहु 14/04/2119	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 13 वर्ष 11 मा 13 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरुप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रुप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रुप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रुचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।